कक्षा पहली से पाँचवी के लिए विशेष
हिंदी (प्रथम भाषा)
पाठ्यक्रम
शैक्षणिक स्तर : 2024-25

विशेष :

ग्रेड के अंत तक विद्यार्थी कौन-कौन सी शिक्षण सम्प्राप्तियाँ प्राप्त करेगा, कौन सी क्षमताएँ अर्जित करेगा विद्यार्थी किस काबिल होगा ।

मुख्य उद्देश्यः-

प्राइमरी के पांचवें वर्ष के अंत तक पढ़ाई का निम्नलिखित स्तर प्राप्त करने का दृष्टिकोण ध्यान में रखा जाए :-

मौखिकः

- बच्चों में वर्णों के मेल से अर्थपूर्ण शब्द बनाने की योग्यता का विकास करना।
- बच्चों में सही-सही ध्यान से और मंतव्य से सुन सकने की योग्यता का विकास करना, जिससे :
  - वह संदेश को सुनकर उसे ठीक ढंग से समझ सके ।
  - वह किसी वार्ता या भाषा को सुनकर इस संबंध में कुछ प्रश्नों के उत्तर दे सके।
  - भाषण या वार्ता आदि सुनकर भी अपनी रूचि की बातों की ओर आकृष्ट हो सके।
- बच्चे में प्रभावशाली ढंग से बोलने की ऐसी क्षमता उत्पन्न करना जिससे वह सही एवं अनुरूप विधि सेः
  - बोली कि प्रत्येक ध्वनि का अलग-अलग व सही उच्चारण करने की क्षमता अर्जित कर सके ।
  - सही-सही उच्चारण और वाक्यों को उतार-चढ़ाव के साथ बोलने की विधि सीख सके ।
  - व्याकरण की दृष्टि से सही वाक्य बोल सके।
  - अपने जीवन, स्कूल, घर और आस-पड़ोस के बारे में निधड़क रूप से बातचीत कर सके ।
  - साधारण कहानियाँ सुन सके ।
  - अपने द्वारा किए गए काम का संक्षेप में उल्लेख कर सके ।
  - समूह में अथवा अकेले ही किसी छोटी कविता को प्रभावशाली ढंग से सुना सके ।
  - अपने विचारों को सही तथा स्पष्ट रूप से अभिव्यक्त करने के लिए शब्दावली का चयन कर सके ।

पढ़नाः

- विद्यार्थी में ज़ोर से साफ़ स्पष्ट एवं रूचि से पढ़ाई की योग्यता पैदा करना, जिससेः-
- वह पढ़े हुए शब्दों पर उचित बल दे सके और उचित (शुद्ध) उच्चारण कर सके ।
- वह पढ़ी हुई सामग्री का अर्थ एवं मंतव्य समझ सके ।

- ➢ वह अर्थ ग्रहण करता हुआ उचित गति से पढ़ सके जिससे:-
- वह चुपचाप बिना होठ हिलाये पढ़ सके।
- वह पढ़ी हुई रचना के अंश में आए विचारों के संबंध में प्रश्नों के उत्तर दे सके।
- वह बाल-साहित्य व हस्त-लिखित साधारण पत्रों को पढ़ सके।
- ज्ञान और आनंद प्रदान करने वाली पुस्तकों के प्रति मन में आदर की भावना पैदा हो सके ।
- नए शब्दों और मुहावरों का वाक्य में प्रयोग करना सीख सके।

<u>लिखना:</u>

- ➢ विद्यार्थी में उचित ढंग से स्पष्ट, सही, संक्षिप्त और प्रभावशाली ढंग से लिखने की योग्यता पैदा करना, जिससे:-
- उसे अक्षरों या वर्णों के सही रूप एवं आकार की जानकारी हो और इनको लिखने की विधि आ जाए ।
- उसे सीखे हुए शब्दों के सही वर्ण योग का ज्ञान हो ।
- उसे विराम चिन्ह और उनके प्रयोग का ज्ञान हो ।
- उसे अक्षरों के आकार, तिरछेपन और बीच के स्थान का ज्ञान हो ।
- वह अभिव्यक्ति में सही शब्दों का प्रयोग कर सके ।
- उसे विचारों की संयुक्ता तथा उनको क्रमबद्ध ढंग से लिखने का ज्ञान हो ।
- ➢ विद्यार्थी में निजी पत्र, साधारण आवेदन पत्र लिखने की क्षमता विकसित करना, जिससे:-
- उसे आवेदन पत्र के आरंभ, मध्य, अंत एवं पता लिखने की सही विधि का ज्ञान हो सके ।
- उसे सुव्यवस्थित विचारों को अनुच्छेदों में लिखने की क्षमता प्राप्त हो ।
- ➢ विद्यार्थी में सृजनात्मक लेखन के लिए योग्यता पैदा करना, जिससे:-
- वह किसी वास्तविक या काल्पनिक घटना या दृश्य का वर्णन कर सके ।
- दिए हुए संकेतों से कहानी विकसित कर सके ।
- आधी कहानी को पूरा कर सके ।
- अपने विचारों को अपने शब्दों में अभिव्यक्त कर सके ।

कक्षा पहली एवं दूसरी (प्रथम भाषा)

<u>नोट:-</u>

- ➢ पहली एवं दूसरी कक्षा को एक ही ग्रेड (श्रेणी) माना गया है, जिसका मिला-जुला (सांझा) एक पाठयक्रम होगा, पर सरलता के लिए इस को दो भागों में बाँट लिया गया है, अध्यापक और भी आगे इसको इकाइयों में बाँट सकते हैं।
- ➢ बच्चे के वर्तमान स्तर का निर्णय उसके उस ग्रेड में पढ़ने के समय से नहीं, अपितु विभाजित इकाइयों को सम्मुख रखकर किया जाए, उसकी प्राप्तियों के मूल्यांकन का आधार भी पहले और दूसरे भाग में संबंधित इकाइयों को पूरा करने के उपरांत उसके मानसिक स्तर और योग्यता को बनाया जाए।

- प्रत्येक श्रेणी का यह पाठ्यक्रम एक विशाल संकेत और स्तर निर्धारित करता है। ऐसा भाषा की पढ़ाई के संबंध में होना स्वभाविक है, पाठ्य-सामग्री, शैक्षिक-अनुभव और क्रियाकलाप के विस्तार अध्यापक ने स्वयं अपने साधनों और बालक की स्कूल जाने से पहले की घरेलू अवस्था की जानकारी को सम्मुख रखकर तैयार करें प्राइमरी श्रेणियों में नए शैक्षिक अनुभव प्रदान किए जाते हैं, इन अनुभवों को एक या दो श्रेणियों में दोहराना काफ़ी होता है।

कक्षा-एक (प्रथम भाषा)

पाठ्यक्रम

शैक्षणिक स्तर : 2024-25

<u>मौखिक अभिव्यक्ति:</u>

विद्यार्थी में ऐसी योग्यताओं का विस्तार करना जिससे वह:-

- हिंदी की सभी ध्वनियों की चित्र देखकर पहचान कर सके।
- हिंदी की मिलती-जुलती ध्वनियों की पहचान कर सके।
- हिंदी की मात्राओं की पहचान कर सके।
- अनुस्वार और अनुनासिक ध्वनियों में भेद कर सके।
- मौखिक निर्देशों को समझ सके।
- अपने परिवेश / पर्यावरण की जानकारी प्राप्त कर सके।
- घर और समाज में विचरते हुए नैतिक मूल्यों जैसे: प्रेम, सहानूभूति, आदर, परिश्रम की पहचान कर सके।
- चित्र देखकर बात कर सके।
- समूह में या व्यक्तिगत रूप से हाव-भाव सहित, उचित आरोह-अवरोह के साथ कविता का उच्चराण कर सके।

<u>पढ़ना:</u>

विद्यार्थी में ऐसी योग्यताओं का विस्तार करना जिससे वह:-

- चित्र देखकर हिंदी वर्णमाला पढ़ सके।
- निर्धारित पाठय-पुस्तक में से शब्दों और वाक्यों को स्पष्ट रूप से पढ़ सके।
- अपने परिवेश से नए शब्द पढ़ सके।

<u>लिखना:</u>

विद्यार्थी में ऐसी योग्यताओं का विस्तार करना जिससे वह:-

- लिखने के लिए सही मुद्रा में बैठना सीख सके।
- लिखने से संबंधित सामग्री का सही ढंग से उचित प्रयोग करने के योग्य हो सके।
- देवनागरी लिपि के चिन्हों को सही ढंग से लिखने के योग्य हो सके।
- स्पष्ट और अनुपातिक (एक सार) अक्षर लिखने के योग्य हो सके।
- शब्दों में आई ध्वनियों को अलग कर सके।
- ब्लैक बोर्ड से और पाठ्यपुस्तक में से शब्दों और वाक्यों को देख कर लिख सके।

पाठ्य-पुस्तक: हिंदी पुस्तक 1. (पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित)